2

524

हिन्दी साहित्य

टेस्ट-6

(प्रश्न पत्र-I)

DTVF / OPT-24 **HL-2406**

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time Allowed: Three Hours*	अधिकतम अंक : 250 *Maximum Marks : 250*

नाम (Name): Siddharth Kumar Meena

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? | हाँ | ✓ | नहीं | |

मोबाइल नं. (Mobile No.): ______

ई-मेल पता (E-mail address): ______

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 09/08/24

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2024] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2024]:

3	6	0	0	2	7	7

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS.***

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

*Answer must be written in **HINDI** (Devanagari Script).*

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

कुल प्राप्तांक (Total Marks Obtained): ______ टिप्पणी (Remarks): ______

मूल्यांकनकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Evaluator (Code & Signatures)

पुनरीक्षणकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Reviewer (Code & Signatures)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - क

1. निम्नलिखित पर लगभग 150 शब्दों में टिप्पणी लिखिये: **10 × 5 = 50**

(क) निराला के प्रगीत

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(ख) घनानंद की काव्य-भाषा

हिंदी साहित्य में रीतिमुक्त काव्य लेखन के प्रमुख हस्ताक्षर घनानंद अपनी लौकिक प्रेमानुभूति संवेदना तथा संवेदनशील काव्य भाषा के लिए प्रसिद्ध रहे हैं।

दरबारी माहौल में रहकर भी अपने काव्य को अन्य रीतिकालीन धाराओं की तुलना में देहमूलक, भोगमूलक की जगह त्याग, प्रेम, स्वच्छंदता पर अधिक केंद्रित किया है।

<u>भाषागत विशेषताएं</u> :-

① ब्रज भाषा का अति कोमल व सुंदर प्रयोग।

② ध्वन्यात्मकता व नादात्मक सौंदर्ययुक्त -
"ऐरी रूप अगाधे राधे राधे राधे राधे राधे
तेरी मिलिबे को ब्रजमोहन कितने जतन हैं साधे।"

③ उनकी भाषा में विरह की तड़प स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अपनी प्रेयसी 'सुजान' से विलगता का गम उनकी काव्य मे प्रतीकात्मक रूप मे अभिव्यक्त हुआ है।

4. शब्द संयोजन मे समावेशीपन

5. शब्दालंकारे द्वारा अपने काव्य की अभिव्यंजना सटीक बनी है।

उदा० - अनुप्रास व यमक अलंकार

6. प्रतीकात्मकता - राधा के प्रतीक के रूप मे सुजान की उपस्थिति।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(ग) संस्मरण 'स्मृति की रेखाएँ'

संस्मरण हिंदी गद्य साहित्य की नवीन विधा है जिसमें अतीत की घटनाओं, यात्राओं आदि को रुपाकार दिया जाता है जैसे - महादेवी वर्मा का 'पथ के साथी'

संस्मरण अपने प्रभावशाली जीवन यात्रों का चित्रण है

महादेवी वर्मा का संस्मरण 'स्मृति की रेखाएँ' एक प्रमुख रचना है जिसमे महादेवी वर्मा ने -

(i) दीन-हीन, दलित कमजोर, परित्यक्त व पीड़ित महिला वर्ग की दशा का संवेदनात्मक विवरण दिया है

(ii) उन्होंने स्वयं को प्रेरित करने वाले व्यक्तियों का भी सूक्ष्म चित्रण किया है

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iii) महादेवी वर्मा के 'स्मृति की रेखाएं' संस्मरण संस्मरणात्मक रेखाचित्र के रूप में दो विधाओं का संयोजन है

(iv) स्मृति की रेखाएँ में महादेवी ने स्वयं के व्यक्तित्व तथा निजी जीवन की वेदना को भी स्थान दिया है

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(घ) 'आंचलिक कहानी' का परिचय

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आँचलिक कहानी प्रेमचंदोत्तर युग मे उपजी कहानी का ऐसा रूप है जिसमे अँचल ही कहानी का मूल नायक तथा उद्देश्य भी होता है।

यद्यपि फणीश्वरनाथ रेणु द्वारा जिस तरह से आंचलिक उपन्यास को समृद्धि प्रदान की, वैसी विकास दशा आंचलिक कहानी मे नहीं बन पायी है।

आंचलिक कहानी के तत्व: -

① कथ्य - कहानी का कथ्य किसी स्थानीय विषय, स्थानीय मुद्दे पर आधारित होता है।

② भाषा - आँचलिक कहानी की भाषा व शब्दावली स्थानीयता का प्रभावी पुट लिए होती है।

③ शब्दों का तद्भवीकरण व देशजीकरण किया जाना सामान्य बात है —

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जैसे - मिथिलांचल क्षेत्र की आंचलिक कहानियों में वारस चौयरमैन का चैरमैन, मिलिट्री का मिलेटरी आदि बन जाता है

(4) आंचलिक कहानी अंचल के लोक-प्रचलित गीत, प्रगीत को समाहित करती है।

फलतः आंचलिक उपन्यास की तरह आंचलिक कहानी के सभी घटक यथा सामाजिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक आर्थिक सभी मिलकर अंचल को ही कहानी का नायक बनाती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ङ) 'पल्लव की भूमिका' का महत्त्व

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

2. (क) क्या गोस्वामी तुलसीदास का कलियुग-वर्णन तद्‌युगीन अमानवीय स्थितियों का ही आख्यान है? सुचिंतित उत्तर दीजिये। 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ख) रीतिकालीन कवियों के आचार्यत्व पर विचार कीजिये। 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ग) हिन्दी साहित्येतिहास-लेखन परंपरा में 'शिवसिंह सरोज' की सीमाओं एवं महत्त्व पर प्रकाश डालिये। 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

3. (क) हिंदी गद्य के विकास में बालकृष्ण भट्ट के योगदान पर प्रकाश डालिये। 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ख) हिन्दी की मनोवैज्ञानिक उपन्यासधारा पर प्रकाश डालिये। 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ग) दिनकर की काव्यकृति 'रश्मिरथी' के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिये। 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

4. (क) प्रेमचंदपूर्व हिन्दी उपन्यास पर प्रकाश डालिये। 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

हिंदी उपन्यास आधुनिक हिंदी गद्य की लंबी गद्यात्मक रचना है जिसमें यथार्थ का निरूपण होना इसे अधिक प्रभावी रूप प्रदान करता है।

हिंदी उपन्यास → प्रेमचंदपूर्व उपन्यास | प्रेमचंद के दौर में उपन्यास | प्रेमचंद पश्चात् उपन्यास

प्रेमचंदपूर्व हिंदी उपन्यास

वस्तुतः उपन्यास विकास की प्रारंभिक अवस्था का दौर है जिसका कालखण्ड 1840 से 1900 ई. तक पाया जाता है।

प्रेमचंदपूर्व हिंदी उपन्यास विकास की दशाएं :-

① पश्चिम के उपन्यासों का प्रभाव जिनके अयथार्थपरकता, अतिनाटकीयता, आदर्श कथ्य, रोमांच व रोचकता को महत्व दिया गया।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाषः 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेलः help@groupdrishti.in :: वेबसाइटः www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(ii) तत्कालीन भारतीय दशायें आदर्शवाद, हृदय परिवर्तन व गांधीवाद से प्रभावित।

(iii) उपन्यास कला का मुख्य उद्देश्य मात्र मनोरंजन व आर्थिक लाभ कमाना रहा। (iv) समाज सुधार आंदोलन का दौर

फलत: प्रेमचंदपूर्व युग के हिंदी उपन्यास की कुछ उपधारायें विकसित हुईं।

↓

- जासूसी किस्म के उपन्यास
- तिलस्मी-ऐय्यारी प्रधान उपन्यास
- रोमांचकारी उपन्यास
- उपदेशपरक उपन्यास

① <u>उपदेशपरक व नीतिज्ञान प्रधान</u> उपन्यास

वस्तुत: आदर्शवादी रचनायें हैं जिनमें सामाजिक-नैतिक व परिवार व्यवस्था का संदेश दिया जाता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जैसे - लाला श्रीनिवास दास का 'परीक्षागुरु'
- 'भाग्यवती' उपन्यास में भारतीय नारी के पारिवारिक आदर्श की स्थापना की गई है।

② तिलस्मी ऐय्यारी व जादुई यथार्थ वाले उपन्यास जैसे - सरस्वती लाश, चंद्रकांता, चंद्रकांता संतति आदि प्रमुख हैं।

ऐसे उपन्यासों मे नायक को अतिप्राकृतिक शक्तियों युक्त तथा घटनाओं की रोमांचकारी नाटकीयता, कौतूहल को समाहित किया जाता है।

⇓

फलत: प्रेमचंद पूर्व के उपन्यासों में :
- → आदर्शवाद का समावेश
- → यथार्थवाद का शुरुआती चरण
- → आदर्शवादी कथानक
- → घटनाओं मे छिछलापन

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

- चारित्र योजना कमजोर
- घटना व संबंध निर्वाह अप्राकृतिक
- लेखकीय हस्तक्षेप का उन्माद
- ~~आदि~~

आदि के स्वरूप पाये जाने के क्रम से उपन्यासों के तत्वों का विकास शिशु अवस्था से मिलता है जो प्रेमचंद व बाद के युगों के लिए आधार बनता है

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ख) देश-विभाजन के संदर्भ में यशपाल के उपन्यास 'झूठा सच' का अनुशीलन कीजिए। 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(ग) अकहानी आन्दोलन का परिचय देते हुए उसकी प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिये। 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

नई कहानी आंदोलन के विरोध में पश्चिम के 'A-story' आंदोलन से प्रभावित अकहानी आंदोलन ने 1960 के दशक मे हिंदी कहानी विधा को नया रूप प्रदान किया।

इस आंदोलन पर आजादी के बाद मोहभंग, शहरीकरण जनित यांत्रिकता, संत्रास, अकेलापन तथा समाज की संरचना मे आये नाटकीय परिवर्तनो की प्रभावी अभिव्यक्ति हुई है।

प्रमुख प्रवृत्तियाँ :-

(1) विचारधारा के स्तर पर विलगता व स्वयं किसी भी धारा को न मानना।

(2) कहानी का प्रारंभ, मध्य, अंत का परंपरागत ढांचा का पालन न करना।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(3) भोगे हुए यथार्थ को आसान व सरल भाषा में अभिव्यक्ति करना।

(4) संवेदना के स्तर पर शहरी जीवन, युवा पीढ़ी, एकल परिवार, संबंध विच्छेद, आदि को प्रमुख महत्व दिया गया है।

(5) यौन नैतिकता की पुन: व्याख्या तथा इस पर लगी वर्जनाओं को तोड़ना।

(6) कहानी का उद्देश्य समाज के प्रति नहीं बल्कि अधिकाधिक लोगों को परिमार्जित करने में है।

(7) अकहानी शिल्पहीन आंदोलन है जिसमें अलंकार, प्रतीक आदि का मोह नहीं रखा गया है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अकहानी आंदोलन के प्रमुख रचनाकारों मे मोहन राकेश, कृष्णा सोबती, नीलाक्षी सिंह, ममता कालिया आदि प्रमुख है।

अकहानी आंदोलन की विलगता, समाज से कटाव व अकेलापन, सांगिकता ही इस आंदोलन की विशेषता बन गयी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - ख

5. निम्नलिखित पर लगभग 150 शब्दों में टिप्पणी लिखिये: **10 × 5 = 50**

(क) 'आधे-अधूरे' की 'सावित्री' का चरित्र

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ख) विद्यापति की राधा

श्रृंगार व प्रेम के प्रमुख लेखक विद्यापति ने कृष्ण काव्य रचना मे राधा को अधिक महत्व प्रदान कर पूर्व के रचनाकारों हाल, चंडीदास आदि से विलग स्थान प्राप्त किया है।

सामान्य रूप से कृष्ण काव्य में कृष्ण को सदैव राधा पर वरीयता प्रदान की जाती रही है।

(1) विद्यापति की राधा के सौंदर्य को अपरूप बताया गया है।
राधा के सौंदर्य मे संपूर्ण ब्रह्माण्ड का समावेश दिखाया है।

(2) कृष्ण को पहली नजर मे राधा पर मोहित होते दिखाया गया है।

(3) मथुरा प्रवास के बाद राधा से ज्यादा कृष्ण मे विरह की पीड़ा व तड़प को

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

दिखाया गया है

(4) विद्यापति की राधा सूर की गोपियों की तरह निष्क्रिय दुःखी न रहकर कर्तव्यपरायण रूप में दिखाई गई है वो कहती है-

"प्यारे जीवै जगहित करे
गेह चाहे न आवै।"

फलत: विद्यापति की राधा कृष्ण काव्य में ~~लौकिक~~ लौकिक मान्यता की पक्षधर है

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(ग) 'परख' उपन्यास की 'कट्टो'

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मनोवैज्ञानिक उपन्यास लेखन के सशक्त हस्ताक्षर जैनेंद्र के नारी चरित्र अपने त्याग, निष्कपटता, आदर्श के लिए जाने जाते हैं। 'परख' उपन्यास की 'कट्टो' भी कुछ वैसा ही छायावादी चरित्र है।

परख उपन्यास की कट्टो जब सत्यधन (प्रेमी) का त्याग कर बिहारी से विवाह करती है, तो वह बिहारी से भी वही पवित्रता, सात्विकता पाती है तथा अपना सर्वस्व समर्पण कर देती है।

सामान्य मानव की तरह निराश होने या शिकायत का भाव रखने की जगह बिहारी व कट्टो दोनों समाज के कमजोर वर्गों की सेवा में लग जाते हैं।

उनका संबंध पति-पत्नी के

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

गार्हस्थिक दायरे से ऊपर उठ जाता है तथा गोदान के मेहता-मालती की तरह आत्मिक/देव रूप धारण कर लेता है।

~~प्रत्य~~ की कट्टो त्याग, समर्पण, एकपतिव्रत, निष्ठा, सद्गुण की साक्षात प्रतिमूर्ति है, जो दिव्या की दिव्या, स्कंदगुप्त ~~की~~ देवसेना की तरह अपने कर्तव्यनिर्वहन को प्रेरित है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(घ) मिश्रबंधु विनोद

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हिंदी साहित्य इतिहास लेखन परंपरा मे एक अहम नाम 'मिश्रबंधु विनोद' ~~बहुविध~~ रूप पर अपना योगदान दिया है।

① शुक्ल पूर्व यदि किसी ने साहित्य-इतिहास लेखन का प्रयास किया है तो इन्होंने ही किया है।

② आदिकाल को चारणकाल नाम दिया जो उसका एक महत्वपूर्ण पक्ष रहा।

③ काल विभाजन मे वैज्ञानिकता

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(ङ) कहानी का रंगमंच

कहानी का रंगमंच वस्तुत: रंगमंच विधा का एक नया विकसित आयाम है जिसमे आधुनिक तकनीकी व संसाधनो का प्रयोग कर कहानी को रंगमंच पर प्रस्तुत किया जाता है।

संभव कैसे हुआ :-

(i) आधुनिक युग मे विधाओं का संमुमयन

(ii) कहानियों का विभिन्न मंचो से प्रस्तुतीकरण

(iii) रचनात्मकता व कल्पनाशीलता बढ़ना।

जैसे - प्रेमचंद की कहानी बूढ़ी काकी का रंगमंच पर मंचन आसान है। LBSNAA जैसे प्रशिक्षण संस्थानो मे कहानी का

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मंचन किया जाता है।

कहानी के रंगमंच की सरलता तथा इसमे संसाधनो की सीमित आवश्यकता इसे अधिक आकर्षक बनाती है।

उदा० - कहानियों का फिल्मी पर्दे पर मंचन होना।

जैसे - शतरंज के खिलाड़ी, छोटी सी बात, मधुमालती आदि सभी पर हिंदी फिल्मे बन चुकी है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

6. (क) पृथ्वीराजरासो की काव्यगत विशेषताओं पर विचार करते हुए उसकी प्रामाणिकता के प्रश्न पर प्रकाश डालिये। 20

चंदबरदाई कृत पृथ्वीराज रासो हिंदी का पहला महाकाव्य है जिसमें वीर रस की सटीक अभिव्यक्ति के साथ शब्दों की दृश्यवद अभिव्यंजना भी विद्यमान है।

काव्यगत विशेषताएं :→

① वीरताप्रधान काव्य रचना है जिसके प्रारंभ से लेकर अंत तक वीर रस की सटीक रूपांकन विद्यमान है।

② युद्ध काव्य की रचना है हालांकि युद्ध का कारण राज्य की रक्षा कम व मूँछों की लड़ाई अधिक है।

"जाकि कन्या सुंदर देखी जाए धरी तलवार"

③ "बारह बरस लौं कुकर जीवै, और तेरह जिये सियार। बरस अठारह क्षत्रिय जीवै, बाकि जीवन को धिक्कार।"

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(4) नायक उदात्त कम व रूप लोलुप अर्थात अधिक दिखाया गया है।

(5) नायक को अंत में अपनी भूलों का दुःखद एहसास होता है तथा राजपूति आन बान के अनुसार दुश्मन को नष्ट कर अपने प्राण त्याग कर औदात्य की अनुभूति प्राप्त होती है।

(6) भाषा के स्तर पर पिंगल का प्रयोग किया गया है (ब्रज भाषा)

(7) प्रबंध रचना

प्रमाणिकता का प्रश्न

(A) प्रमाणिकता के विपक्ष में तर्क : —

(1) मोहम्मद गौरी की मौत शब्दभेदी बाण से नहीं बल्कि 'गोक्खरों द्वारा होना' का ऐतिहासिक प्रमाण।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

② पृथ्वीराज विजय जो उसी समय की रचना है मे पृथ्वीराज रासो का कोई जिक्र नहीं।

③

① प्रमाणिकता के पक्ष मे तर्क :-

① भारतीय समाज मे प्रचलित लोक-धारणा

② राजस्थान के इतिहासकार जेम्स कर्नल टॉड की रचनाओं मे विवरण

③ दरबारी माहौल के प्रभाव से कुछ तथ्यों मे कल्पना का स्वत: समावेश।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(ख) रीतिकाव्य पर ललित कलाओं का प्रभाव किन रूपों में दिखाई पड़ता है? विवेचना कीजिये। 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

रीतिकाव्य रीतिकाल के रचा गया काव्य है जहाँ पर युद्धों के अभाव में ~~दरबार~~ बनी शांति के दौर में दरबारों के राजाओं की प्रशंसा व दरबारों के मनोरंजन के लिए ऐसा काव्य रचा गया है।

रीतिकाल की दशाएं :-

- शांति
- भोग, विलास
- कला को पोषण
- मनोरंजन के लिए

⇒ फलतः काव्य के साथ अन्य धाराएं यथा चित्रकला, संगीतकला, नृत्यकला आदि का भी विकास हुआ जिन्होंने स्वतः रीतिकाव्य को रूपाकार प्रदान किया है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

रीतिकाव्य —
- रीतिबद्ध काव्य → केशवदास
- रीतिसिद्ध काव्य → बिहारी, पद्माकर
- रीतिइतर काव्य → घनानंद
- रीति मुक्त काव्य

ललित कलाओं का प्रभाव :-

(1.) संगीत कला का प्रभाव - काव्य में लय, ताल, प्रवाह का समावेश होना व नादात्मक सौंदर्य द्वारा प्रभाव बढ़ना।

"मेरी रूप अगाधे राधे राधे राधे राधे राधे।"

(2) चित्रात्मकता द्वारा काव्य में बिंबात्मक, चित्र प्रवाह शैली का प्रवेश हुआ है

उदा.- "कहत, नटत, रिसत, खिजत, मिलत, लतियात
भरे भौन में करते हैं, नैनन ही सों बात।"

बिहारीदास की उपर्युक्त पंक्ति चलचित्रों की एक श्रृंखला प्रस्तुत करती है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

③ ललित कलाओं से व्यंग्य कौशल व गागर में सागर भर देने की क्षमता का विकास हुआ है। जैसे- केशवदास की रामचंद्रिका में राम-कैकेयी संवाद में →

"मात! कहाँ गये नृपतात?
गए सुरलोकहि!
सुत शोक लिए।"

④ ललित कलाओं के क्रम में रीति काव्य में मुक्तक के बाद भी मौलिकता का समावेश।

फलत: हर दौर की दशाऐं व उस दौर की ललित कला का स्वत: काव्य संसार पर प्रभाव दिखाई देता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(ग) कृष्णभक्ति काव्यधारा के विकास में वल्लभाचार्य एवं विट्ठलनाथ के अवदान का मूल्यांकन कीजिए। 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृष्णभक्ति काव्यधारा भक्तिकाल की सगुण कृष्ण भक्ति की धारा है जिसके विषय संवेदना मूलत: प्रेम, शृंगार, भक्ति के इर्द-गिर्द समाहित है।

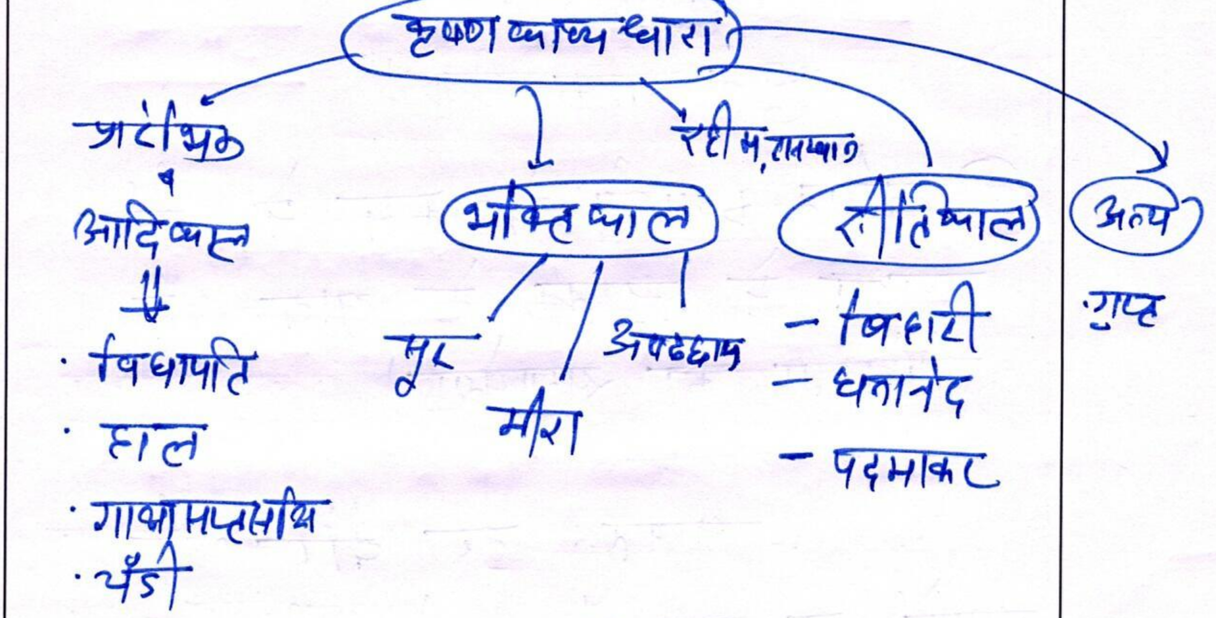

वल्लभाचार्य का अवदान :-

① शुद्धाद्वैतवाद का दर्शन देना

② 'सूर है कि काहे घिघियात हो' के

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

माध्यम से सूरदास को दास्य भक्ति से सख्य कृष्ण भक्ति की ओर मोड़ना।

③ पुष्टिमार्ग का विकास

④ वृंदावन को अपने भक्ति का केंद्र बनाना।

<u>विट्ठलनाथ का योगदान :-</u>

① अष्टछाप का अहम हिस्सा होना।

② कृष्ण भक्ति के काव्य की रचना करना।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

7. (क) 'हिंदी नए चाल में ढली'-भारतेन्दु हरिश्चंद्र के इस कथन पर विचार कीजिए। 20

हिंदी नए चाल में ढली 1873 में

वस्तुत: यह हरिश्चंद्र मैगजीन में छपा एक लेख है, जो हिंदी को एक नया रूप प्राप्त करने की मान्यता प्रदान करता है।

यह काल सूचक या घटनामूलक तथ्य है जो हिंदी के 1873 के पहले व उसके बाद में आये अंतरो को स्थापित करता है।

नए चाल में ढली हिंदी की विशेषताएं:-

① संस्कृतनिष्ठ बनाम फारसीनिष्ठ के द्वंद्व का अंत कर हिंदुस्तानी हिंदी के रूप को अपनाना।

② शिवप्रसाद सितारेहिंद शैली बनाम लक्ष्मणसिंह के बीच द्वंद्व का अंत

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(3.) नई चाल में ढली का एक भाव यह है कि अब हिंदी नवजागरण के विषयों को अपना रचना आधार बनाने लगी।

(4) हिंदी राजभक्ति बनाम राष्ट्रभक्ति के द्वंद्व से मुक्त होकर राष्ट्रीय आजादी का मुख्य आधार बनी।

(5) कविवचनसुधा की तरह प्रतिबंध लग जाने के भय से मुक्त होकर राष्ट्रविरोधी तत्वों का खुलकर नामांकन करने लगी।

(6) नई चाल की हिंदी अधिक शुद्ध, मानवीकृत, समावेशी बनी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(7) संपर्क का माध्यम, राष्ट्रीय आंदोलन की भाषा बनी।

(8) नवजागरण के विषयों - लैंगिक समानता, स्वायत्ता, पत्रकारिता की आजादी आदि को विषय बनाया।

फलत: संस्कृत → पालि → प्राकृत → अपभ्रंश से क्रमश: वियोगीकृत हो रही हिंदी अपने अगले पड़ाव को पार कर 1873 में नए चाल में ढली तथा तत्कालीन जरूरतों को अपनाकर अगले चरण में अग्रसरित हुई।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ख) 'मुक्त छन्द' की अवधारणा पर प्रकाश डालिये। 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(ग) हिंदी की आंचलिक उपन्यासधारा पर प्रकाश डालिये। 15

आँचलिक उपन्यास वस्तुतः अंचल केंद्रित ऐसी विस्तृत रचनायें हैं जिनमे उपन्यास के सभी तत्व मिलकर अंचल को संपूर्णता प्रदान करते हैं।

हिंदी मे फणीश्वरनाथ रेणु इस धारा के प्रमुख रचनाकार हैं जिन्होंने मैला आंचल, पलटू बाबू रोड, परती परिकथा जैसे प्रमुख आँचलिक उपन्यास लिखे हैं।

आँचलिक उपन्यासों के तत्व : —

(1) अंचल के भौगोलिक पक्ष का विस्तृत वर्णन : → जैसे - मैला आँचल के वर्णन →
"रौतहट स्टेशन से 5 कोस दूर कोसी नदी को पार कर जाना पड़ता है। xx xx - वंध्या भूमि के विशाल अंचल को पार कर आता है मेरीगंज।"

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

② सांस्कृतिक व सामाजिक पक्षों द्वारा अंचल की स्थानीयता को पाठक को महसूस करवाना।
जैसे - मैला आँचल उपन्यास मे हर पाँचवे लाइन मे ऐसे प्रसंग उपलब्ध है जिनमे जाट-जाटिन खेल, भउजिया के गीत, विदापत नृत्य, फसल-कटाई प्रसंग आदि का विवरण है।

③ आँचलिक उपन्यास मूलत: समय, काल व स्थान के दायरे मे सीमित रहता है।
"यह है मैला आँचल। एक आँचलिक उपन्यास ××× कथानक है पूर्णिया × ---।"

आँचलिक उपन्यास विकास क्रम :-

① रेणु पूर्व युग मे आँचलिक उपन्यास कमतर विकसित रहे जिनमे आँचलिक

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वर्णन अवश्य है लेकिन आंचलिकता को प्रभावी बनाने वाले तत्वों का प्राय: अभाव रहा।

② रेणु युग में आंचलिक उपन्यास एक झटके में चरम विकास को प्राप्त कर गये।

रेणु का 'मैला आंचल' इनकी पहली रचना है, जो आंचलिक उपन्यासों के लिए मानक बन गया है। स्वयं रेणु भी इससे बेहतर नहीं लिख पाये हैं।

③ रेणु पश्चात युग में आंचलिक उपन्यास धारा कमजोर पड़ गई।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

8. (क) हिन्दी की 'नया उपन्यास' धारा पर प्रकाश डालिये। 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ख) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी रंगमंच के विकास में हिन्दी के प्रमुख रंग-निर्देशकों के योगदान पर प्रकाश डालिए। 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(ग) महादेवी वर्मा की वेदनानुभूति पर प्रकाश डालिये। 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation